Shri D. C. Sharma (Gurdaspur): From where did you get the money for this *bandh*?

संसद् कार्य तथा संचार मंत्री (श्री सत्य नारायण सिंह): अभी श्री मालवीय ने जो कुछ कहा वह जनरल तरीके से कहा.... (**व्यवधान**).. जब आरोप लगाया जाता है तब हम उसको सुनते हैं। चाहिये तो यह था कि दोनों तरफ से किसी पर आरोप इस तरह से न लगाया जाये जब तक कि किसी के पास उसका काफी सबूत न हो। लेकिन कुछ थोड़ी सी आदत बिगड़ गई है और बिना कुछ समझे बूझे आरोप लगाये जाते हैं। हो सकता है वह सही हो, हो सकता है वह गलत हो। अगर आरोप लगाने के पहले जो आरोप लगाने वाले हों वह कन्विन्स हो जायें कि कोई प्राइमा फेसी केस है, तब उनको पूरा हक है कि वह एक्स्पोज करें। अगर हम कोई गलत काम करते हैं तो हर एक आदमी को हक है, अपोजीशन को खास तौर पर हक है, कि वह हमारी गलती को एक्स्पोज करे। यह एक अलग चीज है। **

श्री हरि विष्णु कामत (होशंगाबाद): मैं निहायत अदब के साथ अर्ज करूंगा कि जब तक कल की घटनाओं की न्यायिक जांच न हो जाये तब तक किसी के ऊपर यह इल्जाम लगाना कि उसने भड़काया, उसकी जिम्मेदारी है, यह गलत है।

Shri R. S. Pandey: Swami Rameshwaranand****** gave such a provocative speech and this situation resulted out of this. It is nothing but a fact.

श्री मधु लिमये: सेठ गोविन्द दास और सेठ कमलनयन को क्यों गिरफ्तार किया गया।

अध्यक्ष महोदय: अगर इस पर आपत्ति की गई है कि जो कुछ मेम्बरान ने कहा वह काबिले ऐतराज है, तो मैं भी समझता हूं कि दोनों तरफ से जो कुछ कहा गया है वह काबिले ऐतराज है और वह रेकार्ड में नहीं आना चाहिये। दोनों तरफ से जो कुछ कहा गया है उसे एक्सपन्ज कर दिया जाये।

12.36 hrs.

PAPERS LAID ON THE TABLE—*Contd.*

STATEMENT RE: CYCLONE DAMAGE IN MADRAS

The Minister of Transport, Aviation, Shipping and Tourism (Shri Sanjiva Reddy): I beg to place on the Table of the House a statement regarding damage to ships caused by the Cyclone at Madras on the 3rd November 1966. [*Placed in Library. See* No. LT-7248/66.] (*Interruptions.*)

डा० राम मनोहर लोहिया (फर्रुखाबाद) अध्यक्ष महोदय, मुझे भी क्या आप बोलने देंगे?

श्री मधु लिमये (मुंगेर): डाक्टर लोहिया का प्वाइंट आफ आर्डर है, सुनिये आप।

अध्यक्ष महोदय: मैं ने सुन लिया।

डा० राम मनोहर लोहिया: कितनी बेइन्साफी हो रही है रामेश्वरानन्द से। उन्होंने खाली यही कहा था कि लोक सभा को घेर लो।.. (**व्यवधान**).. बड़ी बेइन्साफी होगी।.. (**व्यवधान**)... यह झुंड कैसे चिल्ला रहा है।

अध्यक्ष महोदय: डाक्टर साहब मेरी बात सुन लीजिये। अगर आप स्वामी रामेश्वरानन्द की बाबत...

डा० राम मनोहर लोहिया: यह झुंड चलने नहीं देगा ...

**Expunged as ordered by the Chair.

अध्यक्ष महोदय : मेरी बात तो सुनिये . . .

श्री मधु लिमये : इन्दौर याद रखिये, यह बात चलने नहीं देंगे ।

डा० राम मनोहर लोहिया : इंदौर छोड़ो । मेरे पास खत आये हैं . . . . . (व्यवधान) बस जलाने से . . . .

अध्यक्ष महोदय : उस से इस का ताल्लुक नहीं है। अगर आप को श्री रामेश्वरानन्द की बाबत प्वाइंट आफ आर्डर रेज करना है तो आप मुझे लिख कर भेजिये ।

एक माननीय सदस्य : इस पर प्वाइंट आफ आर्डर है . . . .

अध्यक्ष महोदय : इस में कोई प्वाइंट आफ आर्डर नहीं है । उन के साथ जुल्म हुआ, आप ने ताईद की है, अगर उन के साथ बेइन्साफी हुई है, कुछ ज्यादती हुई है तो आप लिख कर भेजिये कि आप क्या चाहते हैं । कुछ वाकयात होने चाहियें तब तो मैं उनका डिस्कशन यहां अलाऊ कर सकता हूं, अगर मेम्बर के साथ या किसी के साथ बेइन्साफी हुई हो ।

एक माननीय सदस्य : आप को तार दिया है ।

डा० राम मनोहर लोहिया: इस सदन में जब आप ने कहा कि स्वामी जी ने कहा कि लोक सभा को घेर लो, मंत्री को निकलने न दो इस में स्वामी जी ने कहीं किसी के लिये नहीं कहा कि उन को ठोको, पीटो मारो; जलाओ तो हिंसा की कुछ बात नहीं कही । तब फिर स्वामी जी के ऊपर यह बेइन्साफी नहीं होनी चाहिये ।

Shri Nambiar (Tiruchirapalli): Sir, in Madras there was a cyclone and he has placed a statement on the Table of the House. I want a clarification from him whether funds had been placed by the Centre at the disposal of the State Government for relief measures; there is such a huge loss due to cyclone.

Shri Sanjiva Reddy: I do not know about the State Government. I am only concerned with the Port. We are asking them to spend money for relief work in the ports.

12.40 hrs.

MOTION *RE*. SUSPENSION OF RULE 338 IN REGARD TO FIFTIETH REPORT OF BUSINESS ADVISORY COMMITTEE

Shri Hari Vishnu Kamath (Hoshangabad): Mr. Speaker, Sir, I beg, by your leave, to move the following:

> "That Rule 338 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in Lok Sabha in its application to the motion to rescind the decisions given by the House on the 3rd November, 1966 in regard to the Fiftieth Report of the Business Advisory Committee be suspended."

Mr. Speaker: He may not take more than five minutes.

Shri Hari Vishnu Kamath: Yes, Sir. I would briefly make my submission and I would request the House to give earnest consideration and thought to this matter before they come to any hasty decision; particularly I refer to the hon. friends on the other side, members of the Congress party. This issue has been now referred to in all the nationalist papers in the country as that of the zero hour, and the importance of the zero hour cannot be overestimated. Permit me, Sir, to refer to the very wise advice that you gave to the Government when you addressed the Presiding Officers' Conference on the 29th October, just a few days ago.

Mr. Speaker: He need not remind me of it.

Shri Hari Vishnu Kamath: I want only to draw Government's attention to it, and I ask the hon. Members to ponder over it. The Government is concerned with this matter; they stand